गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 289
दि. 20.02.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव इतिहास में एक परिवर्तनकारी अध्याय का प्रतीक है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन किया

हमें एआई का लोकतंत्रीकरण करना होगा; इसे विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के लिए समावेशन और सशक्तिकरण का एक उपकरण बनना चाहिए: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने एआई के लिए मानव (एमएएनएवी) विजन प्रस्तुत किया- मोरल एंड एथिकल सिस्टम, अकाउंटेबल गवर्नेंस, नेशनल सॉवरेन्टी, एक्सेसिबल एंड इंक्लूसिव, वैलिड एंड लेजिटीमेट

हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां मनुष्य और बुद्धिमान प्रणालियां सह-निर्माण, सह-कार्य और सह-विकास करेंगी; एआई हमारे काम को अधिक स्मार्ट, अधिक कुशल और अधिक प्रभावशाली बनाएगा: प्रधानमंत्री

हमें साझा वैश्विक कल्याण के लिए एआई के प्रति सामूहिक संकल्प विकसित करना होगा: प्रधानमंत्री

भारत एआई में अवसर और भविष्य की रूपरेखा देखता है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक एआई इम्पैक्ट समिट भारत में आयोजित हो रहा है, जो मानवता के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे बड़े तकनीकी प्रतिभा भंडार और समृद्ध प्रौद्योगिकी-सक्षम इकोसिस्टम है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल नई प्रौद्योगिकियों का निर्माण करता है, बल्कि उन्हें अभूतपूर्व गति से अपनाता भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 14 करोड़ भारतीय नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं और उनकी ओर से उन्होंने शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले राष्ट्राध्यक्षों, वैश्विक एआई इकोसिस्टम के नेताओं और नवप्रवर्तकों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करना न केवल देश के लिए बल्कि विकासशील देशों के लिए भी गर्व की बात है।

श्री मोदी ने बताया कि इस शिखर सम्मेलन में एआई जगत की जानी-मानी हस्तियां एक साथ आई हैं। 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और विश्व भर के प्रतिष्ठित प्रतिभागी शामिल होने से इस आयोजन की सफलता नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। उन्होंने शिखर सम्मेलन में युवा पीढ़ी की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे उन्हें नया आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा कि जहां नई तकनीकों को अक्सर शुरूआत में संदेह का सामना करना पड़ता है, वहीं जिस गति और विश्वास के साथ विश्व भर के युवा एआई को अपना रहे हैं, उस पर अपना अधिकार जता रहे हैं और उसका उपयोग कर रहे हैं, वह अभूतपूर्व है। प्रधानमंत्री ने एआई शिखर सम्मेलन की प्रदर्शनी के प्रति उत्साह, विशेष रूप से युवा प्रतिभाओं

की बड़ी भागीदारी की भी सराहना की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कृषि, सुरक्षा, दिव्यांगजनों की सहायता और बहुभाषी आबादी की जरूरतों को पूरा करने में प्रस्तुत समाधान 'मेड इन इंडिया' की ताकत को दर्शाते हैं और एआई क्षेत्र में भारत की नवोन्मेषी क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मानव इतिहास में हर कुछ शताब्दियों में एक ऐसा मोड़ आता है जो सभ्यता की दिशा के तरीकों को बदलाव लाते हैं। उन्होंने कहा कि परिवर्तन के ऐसे दौर में अक्सर वास्तविक प्रभाव तुरंत समझ में नहीं आता। उन्होंने याद दिलाया कि जब पत्थरों से पहली बार चिंगारी निकली थी, तब किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि वही चिंगारी सभ्यता की नींव बनेगी। श्री मोदी ने कहा कि जब बोली जाने वाली भाषा को पहली बार लिपि में बदला गया था, तब किसी को यह एहसास नहीं था कि लिखित ज्ञान, भविष्य की प्रणालियों की रीढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि जब पहली बार वायरलेस तरीके से सिग्नल भेजे गए थे, तब किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि एक दिन पूरी दुनिया एक-दूसरे से जुड़ जाएगी।

श्री मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव सभ्यता के ऐतिहासिक मोड़ के समान ही व्यापक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि आज जो देखा और अनुमान लगाया जा रहा है, वह इसके प्रभाव के केवल प्रारंभिक संकेत हैं। एआई मशीनों को बुद्धिमान बना रही है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मानव क्षमता को कई गुना बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि इस बार यह अंतर अभूतपूर्व गति और अप्रत्याशित पैमाने में निहित है। उन्होंने कहा कि पहले, प्रौद्योगिकी के प्रभाव को नजर आने में दशकों लग जाते थे, लेकिन आज मशीन लर्निंग से लेकर लर्निंग मशीनों तक का सफर तेज, गहरा और व्यापक है। इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी की आवश्यकता है। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ भविष्य की पीढ़ियों को सौंपी जाने वाली एआई के स्वरूप के बारे में भी चिंता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि असली सवाल यह नहीं है कि एआई भविष्य में क्या कर सकती है, बल्कि यह है कि मानवता वर्तमान में एआई का उपयोग कैसे करना चाहती है। परमाणु ऊर्जा का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता ने इसकी विनाशकारी क्षमता और इसके सकारात्मक योगदान दोनों को देखा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी एक परिवर्तनकारी शक्ति है—यदि दिशाहीन हो तो यह व्यवधान उत्पन्न करती है, लेकिन सही दिशा मिलने पर यह समाधान बन जाती है। श्री मोदी ने कहा कि ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट का मूल उद्देश्य इस बात पर विचार-विमर्श करना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मशीन-केंद्रित के बजाय मानव-केंद्रित, संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण कैसे बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रति भारत का दृष्टिकोण इस शिखर सम्मेलन के विषय 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' में स्पष्ट रूप से झलकता है और यही भारत के लिए आदर्श भी है। उन्होंने चेतावनी दी कि मनुष्य केवल एआई के लिए डेटा पॉइंट या कच्चा माल बनकर न रह जाएं, इसलिए एआई का लोकतंत्रीकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एआई को समावेशन और सशक्तिकरण के माध्यम के रूप में कार्य करना चाहिए, विशेष रूप से विकासशील देशों में।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई को खुली छूट दी जानी चाहिए लेकिन कमान मानव हाथों में ही रहनी चाहिए। उन्होंने इसकी तुलना जीपीएस से की, जो मार्ग सुझाता है लेकिन अंतिम निर्णय उपयोगकर्ता पर छोड़ देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज मानवता एआई को जिस दिशा में ले जाएगी, वही भविष्य तय करेगी।

भगवा, सैंडल की जगह जूते... सीएम योगी के जापान दौरे से पहले पहनावे की चर्चा तेज

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 22 फरवरी को सिंगापुर दौरे पर जाएंगे और इसके बाद जापान पहुंचेंगे. इस यात्रा में उनके पहनावे को लेकर चर्चा हो रही है. बताया जा रहा है कि सीएम योगी भगवा पहनकर ही विदेश जाएंगे. जापान में वो सैंडल की जगह सूज पहनेंगे और टोक्यो से 45-50 किलोमीटर दूर हनुमान मंदिर भी जाएंगे.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगामी सिंगापुर और जापान दौरे को लेकर चर्चा तेज हो गई है. इस बार चर्चा का केंद्र उनका पहनावा है. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विदेश यात्रा के दौरान भी भगवा वस्त्र में ही नजर आएंगे.

जानकारी के अनुसार, सीएम योगी 22 फरवरी को सिंगापुर के लिए रवाना होंगे. इसके बाद उनका जापान दौरा प्रस्तावित है. इस यात्रा में पहली

बार किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के भगवा पहनकर विदेश जाने की बात सामने आई है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा हो रही है.

सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी जापान यात्रा के दौरान पारंपरिक सैंडल के स्थान पर सूज पहनेंगे. यह भी कहा जा रहा है कि उनका यह दौरा पूरी तरह औपचारिक कार्यक्रमों और बैठकों से जुड़ा रहेगा, लेकिन पहनावे को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है.

टोक्यो से 45-50 किलोमीटर दूर हनुमान मंदिर भी जाएंगे उट

जापान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ टोक्यो से करीब 45 से 50 किलोमीटर दूर स्थित हनुमान मंदिर भी जाएंगे. मंदिर दर्शन को लेकर भी चर्चा हो रही है. मुख्यमंत्री के इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. विदेश यात्रा के दौरान वो सिंगापुर और जापान में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे. सीएम योगी के भगवा पहनावे, सूज पहनने और जापान के हनुमान मंदिर जाने की खबरों ने दौरे को और ज्यादा चर्चित बना दिया है.

डीआरडीओ ने गगनयान ड्रोग पैराशूट का सफल क्वालीफिकेशन परीक्षण किया

भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान और संगठन (डीआरडीओ) के चण्डीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) के 'रेल ट्रेक रॉकेट स्लेड' केन्द्र में गगनयान कार्यक्रम के लिए पैराशूट का क्वालीफिकेशन स्तर का लोड परिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। आरटीआरएस एक विशिष्ट गतिशील परिक्षण सुविधा है, जिसका उपयोग उच्च गति वाले एरोडायनिमक और बैलस्टिक मूल्यांकन के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।

रक्षा मंत्री ने समुद्री क्षेत्र की उभरती चुनौतियों से निपटने में वैश्विक समुदाय की एकजुटता का आह्वान किया

रक्षा मंत्री ने विशाखापत्तनम में अभ्यास मिलन का उद्घाटन करते हुए समुद्री क्षेत्र की उभरती चुनौतियों से निपटने में वैश्विक समुदाय की एकजुटता का आह्वान किया

समग्र वैश्विक नौसैनिक संरचना द्वारा संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानूनी ढांचे को और सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता

भारत की अंतरराष्ट्रीय नियमों और नौवहन स्वतंत्रता पर आधारित न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था स्थापित करने की आकांक्षा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सागर से महासागर तक का दृष्टिकोण इस क्षेत्र और उससे परे साझेदारों के साथ जुड़ाव के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता दर्शाता है

भारत विश्वसनीय विश्व-मित्र है और क्षेत्र में सकारात्मक और भरोसेमंद भूमिका निभाता रहेगा

भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित मिलन अभ्यास में 74 देशों के नौसेना प्रमुख और प्रतिनिधिमंडल सहयोगात्मक समुद्री जुड़ाव, सामूहिक सुरक्षा और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए भाग ले रहे हैं

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पारस्परिक सम्मान और सहयोग भावना से समुद्र की उभरती जटिल और परस्पर जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने का आ'ान किया है। रक्षा मंत्री आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित अभ्यास मिलन के उद्घाटन समारोह में 74 देशों के नौसेना प्रमुखों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना में नौसेनाओं की भूमिका समय के साथ बढ़ रही है। साथ ही, पिछले कुछ दशक में आर्थिक विकास में काफी वृद्धि हुई है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन में भी बहुत वृद्धि हुई है। इससे जलडमरूमध्य और जलमार्गों पर प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है, जिससे कई बार संघर्ष की आशंका उत्पन्न होती है। समुद्री संसाधनों, विशेष रूप से दुर्लभ खनिजों पर बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय ध्यान से इस तनाव में एक नया पहलू जुड़ गया है। इसके अलावा, हमें अपने जलक्षेत्रों को आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखने की भी आवश्यकता है जो विभिन्न देशों और क्षेत्रों में अपना जाल फैला रहे हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पारंपरिक खतरों के साथ ही समुद्री

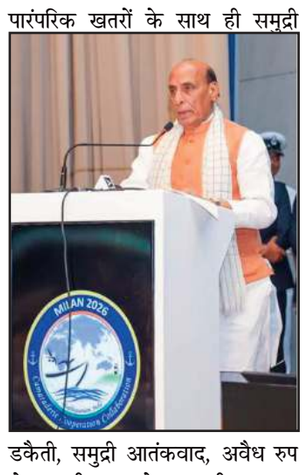

डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध रुप से मछली पकड़ने, तस्करी, साइबर सुरक्षा में खामियां और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी उभरती चुनौतियां भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आपदाओं को और बढ़ा रहा है, जिससे मानवीय और आपदा राहत अभियान बार-बार करने पड़ रहे हैं और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कितनी भी सक्षम कोई नौसेना, इन चुनौतियों का अकेले सामना नहीं कर सकती, और सुरक्षित भविष्य के लिए नौसेनाओं के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता है।

रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के कानून को व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना द्वारा और मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र समुद्र विधि समझौता, राष्ट्रों के बीच विवादों के समाधान और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए व्यापक और तंत्र प्रदान करता है। व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना सूचना साझाकरण इसे और सुगम बनाएगी। संचार माध्यमों को सुरक्षित बनाएगी और खुले समुद्र में आतंकवाद सहित आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाएगी, साथ ही यह वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा करने की अपनी सामान्य भूमिका भी निभाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में व्याप्त उथल-पुथल की चर्चा करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिलन जैसे आयोजन से पेशेवर विशेषज्ञता, आपसी विश्वास, अंतर-संचालनीयता और सामान्य चुनौतियों के समन्वित समाधान की सक्षमता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जब हमारे जहाज एक साथ चलते हैं, नाविक एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, कमांडर एक साथ विचार-विमर्श करते हैं।

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा मंगोलिया में भारत को पवित्र भूभाग और 'आध्यात्मिक पड़ोसी' माना जाता है

(जीएनएस)।

भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के सत्तर वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र-आईजीएनसीए के बृहत्तर भारत और क्षेत्र अध्ययन विभाग द्वारा 'भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान' संबंधी दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज नई दिल्ली में आरंभ हुआ।

आईजीएनसीए के समवेत सभागार में आयोजित सम्मेलन में भारत, मंगोलिया, अमेरिका, फ्रांस और अन्य देशों के 31 विद्वान भाग ले रहे हैं। दो दिवसीय आयोजन में 75 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर मंगोलियाई संस्कृति दर्शाने वाली एक विशेष प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया, जो आईजीएनसीए की दर्शनम दीर्घा में 25 फरवरी तक लोगों के लिए खुली रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन भारत और मंगोलिया के बीच साझा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान धर्म से परे खगोल विज्ञान, पंचांग विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन जैसे क्षेत्रों तक व्याप्त है। उन्होंने मंगोलियाई कांग्यूर का उल्लेख करते हुए इसे भाषाई एवं दार्शनिक विद्वत्ता का महत्वपूर्ण अभिलेख बताया और जोर दिया कि इसका संरक्षण एवं डिजिटलीकरण सभ्यतागत संवाद और सांस्कृतिक कूटनीति को सुदृढ़ करता है। श्री शेखावत ने प्रधानमंत्री द्वारा 2015 में

मंगोलिया यात्रा के दौरान भारत को 'आध्यात्मिक पड़ोसी' कहे जाने का स्मरण किया और रेखांकित किया कि यह सम्मेलन राजनयिक संबंधों के सत्तर वर्ष और सदियों पुरानी सभ्यतागत बंधन का प्रतीक है।

संस्कृति सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने कहा कि भारत और मंगोलिया साझा सभ्यतागत स्मृति और सांस्कृतिक जुड़ाव पर आधारित साझेदारी को आकार दे रहे हैं। उन्होंने तेल शोधन परियोजना, रक्षा, शिक्षा और मंगोलियाई कांग्यूर के प्रसार जैसी पांडुलिपि संरक्षण पहल सहित रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग की चर्चा की। उन्होंने कहा कि मौसम परियोजना और बृहत्तर भारत परियोजना के तहत, यूनेस्को में बहुराष्ट्रीय मान्यता के लिए साझा अमूर्त विरासत के दस्तावेजीकरण और संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में मंगोलिया के राजदूत गनबोल्ड दंबाजाव ने भारत को मंगोलिया का आध्यात्मिक पड़ोसी और महत्वपूर्ण क्षेत्रीय साझेदार देश बताया।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने स्विस कन्फेडरेशन के अध्यक्ष श्री गाई पारमेलिन के साथ उच्च-स्तरीय बैठक की

भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते के तहत भारत-स्विट्जरलैंड कार्यनीतिक सहयोग आगे बढ़ाया जाएगा

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 19 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में स्विस कन्फेडरेशन के अध्यक्ष श्री गाई परमेलिन के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। श्री परमेलिन इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भाग लेने के लिए भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं।

भारत और स्विट्जरलैंड ने इस बैठक में भारत-ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) के तहत अपनी दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी और कार्यनीतिक सहयोग को और गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एआई इम्पैक्ट समिट के संदर्भ में, दोनों पक्षों ने नवाचार और उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता को स्वीकार किया और कहा कि टीईपीए प्रेसीजन इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

श्री पीयूष गोयल ने भारत की विकास यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत वर्तमान में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका अनुमानित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2026 में 4.51 ट्रिलियन डॉलर होगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत में विकास की अपार संभावनाएं, सुधारों की गति, एक विशाल और विस्तारित उपभोक्ता बाजार, मजबूत औद्योगिक आधार और व्यापार करने में सुगमता, डिजिटलीकरण और बुनियादी ढांचे पर आधारित प्रतिस्पर्धा पर निरंतर ध्यान केंद्रित है, जो दीर्घकालिक साझेदारी के लिए एक स्थिर और विस्तार योग्य मंच प्रदान करता है। श्री गोयल ने

भारत में-विशेष रूप से, उन क्षेत्रों में, जहां स्विट्जरलैंड ने विशिष्ट तकनीकी क्षमताएं स्थापित की हैं-स्विस निवेश को प्रोत्साहित करने के महत्व को दोहराया। उन्होंने किफायती, उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं और टीकों के एक विश्वसनीय वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की भूमिका को भी रेखांकित किया और अनुसंधान एवं विकास, जैव प्रौद्योगिकी, विशिष्ट फार्मास्यूटिकल्स तथा उन्नत चिकित्सा पद्धतियों में और अधिक सहयोग का आ'ान किया।

दोनों पक्षों ने टीईपीए की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए निवेश प्रवाह, नियामक सहयोग और संस्थागत भागीदारी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। श्री गोयल ने भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की इच्छुक स्विस कंपनियों के लिए एक सुविधा तंत्र के रूप में इन्वेस्ट इंडिया को समर्पित ईएफटीए डेस्क पर भी प्रकाश डाला।

दोनों नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि निरंतर उच्च स्तरीय संवाद द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लिए दीर्घकालिक समृद्धि में योगदान देगा।

टीईपीए, ईएफटीए देशों के विकसित समूह (आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड) के साथ भारत का पहला मुक्त व्यापार समझौता है।

सम्पादकीय

निखिल गुप्ता को हो सकती है 40 साल जेल

एक भारतीय व्यक्ति ने शुक्रवार को न्यूयार्क में सिख अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिह पन्नू की 2023 में हत्या की नाकाम साजिश रचने के आरोप में दोष स्वीकार किया है। पता नहीं पिछले वुछ दिनों से भारत और अमेरिका के ग्रह टकरा रहे हैं। एक के बाद एक नई समस्या खड़ी होती जा रही है। पहले गौतम अडानी का मामला फंसा, फिर भारत-अमेरिका ट्रंप डील पर विवाद खड़ा हो गया और अब पन्नू की हत्या की साजिश में मामला पंस गया है। अमेरिकी अखबार न्यूयार्व टाइम्स ने लिखा है कि यह उस मामले में पहली बार अपराध स्वीकार किया गया है जिसे कनाडा और अमेरिका के अधिकारियों ने भारत सरकार की ओर से असंतुष्टों की हत्या के अभियान से जुड़ा बताया था। अमेरिका में भारतीय मूल के निखिल गुप्ता ने अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिह पन्नू की हत्या की कथित साजिश रचने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। इस मामले की सुनवाई न्यूयार्व की एक अदालत में हो रही है। अटाना के दफ्तर से जारी हुए बयान के मुताबिक गुप्ता ने हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या की साजिश रचने के साथ ही मनी लांड्रिंग की साजिश से जुड़े तीनों आरोपों को स्वीकार कर लिया है। गुप्ता को 27 मई को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिका में इन तीनों आरोपों में सम्मिलित तौर पर 40 साल की सजा हो सकती है। गुप्ता के 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक से गिरफ्तार किया गया था और बाद में उसका प्रात्यर्पण किया गया। आरोप है कि निखिल गुप्ता ने ये साजिश भारतीय सरकारी कर्मचारी रहे विकास यादव के कहने पर रची, इस संबंध में विकास यादव को सीसी-1 कहकर संबोधित किया गया है। इस संबंध में मार्च 2025 में ही विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वो (विकास यादव) अब भारत सरकार के कर्मचारी नहीं है। आरोप पत्र के मुताबिक 2023 में यादव ने गुप्ता को हत्या का काम सौंपा था। यादव के कहने पर गुप्ता ने एक ऐसे व्यक्ति से संपर्व किया जो असलियत में अमेरिका की जांच एजेंसी डीईए का ही अंडरकवर एजेंट था विकास यादव ने एक सहयोगी के जरिए इस हिटमैन को अग्रिम भुगतान के तौर पर 15 हजार डालर दिए। 2023 में ही विदेश मंत्रालय ने कहा था कि निखिल गुप्ता को तीन बार चेक गणराज्य में काउंसलर मदद दी गई। यूं तो मामला अमेरिका में 2023 से चर्चा में है, लेकिन इस मामले में इस हालिया घटनाव्रम की टाइमिग को भी अहम माना जा रहा है। जब भारत और अमेरिका के संबंध बहुत सहज नहीं हैं और दोनों देशों के बीच ट्रेड को लेकर एक व्यापार के अंतरिम समझौते के अगले महीने तक आखिरी रूप लेने की उम्मीद है। ऐसे में भारत के लिए आगे की राह आसान नहीं दिखती। न्याय विभाग ने पन्नू की हत्या को साजिश और 18 जुलाई को कनाडा में खालिस्तानी निज्जर की हत्या के बीच कई लिक जोड़े हैं। एफबीआई के सहायक निदेशक रोमन रोज से जावस्की ने कहा अमेरिकी नागरिक सिर्प बोलने की आजादी का इस्तेमाल करने के लिए ट्रांसनेशनल रिप्रोशन का निशाना बना। यानी दमन के लिए किसी दूसरे देश की धरती का इस्तेमाल की साजिश है। इन शब्द का इस्तेमाल कनाडाई अधिकारियों ने कनाडा में निज्जर की हत्या पर किया था। भारत सरकार के इशारे पर की गई बताई गई है जिसे भारत सिरे से खारिज कर चुका है। भारत ने पिछले साल नवम्बर में अमेरिका की ओर से उठाई गई सुरक्षा चिताओं पर विचार करने के लिए एक उच्चस्तरीय जांच एजेंसी गठित की थी। अक्टूबर 2024 में भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की थी कि पन्नू के खिलाफ नाकाम हत्या की साजिश से जुड़े अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग में जिस व्यक्ति (विकास यादव) का नाम सामने आया था, वह अब भारत सरकार की सेवा में नहीं है। मूल अभियोग में सरकारी अधिकारी को सीसी-1 कहा गया था। अक्टूबर 2024 में ही अमेरिकी अधिकारियों ने दूसरा संशोधित अभियोग सार्वजनिक किया, जिसमें सीसी-1 की पहचान विकास यादव के रूप में की गई। बाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश विभाग ने हमें सूचित किया कि अभियोग में उल्लेखित व्यक्ति अब भारत में कार्यरत नहीं है।

'एक पौधा प्रति दिन' संकल्प के 5 वर्ष : श्री शिवराज सिंह चौहान का हरित व्रत अब राष्ट्रीय जनआंदोलन की ओर

कृषि मंत्रालय, आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके, ग्रामीण विकास विभाग के सभी कार्यक्रम पौधारोपण से शुरू होंगे- श्री शिवराज सिंह

स्वागत में स्मृति चिन्ह के स्थान पर पेड़ लगाकर फोटो देने की अपील - श्री शिवराज सिंह

पेड़ बैंक और 'अंकुर' जैसे मंच के जरिए देशव्यापी महाअभियान की रूपरेखा- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के 'एक पौधा प्रति दिन' संकल्प के पाँच वर्ष पूर्ण होने पर आज नई दिल्ली में पूसा स्थित ए.पी. शिंदे हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम ने उनके व्यक्तिगत व्रत को राष्ट्रीय हरित जनआंदोलन का स्वर देने की दिशा में ठोस कदमों को जन्म दिया। मंच से उन्होंने अपने विभागों के सभी कार्यक्रमों की शुरूआत पौधारोपण से करने का निर्देश देने के साथ ही स्वागत में स्मृति चिन्ह के स्थान पर पेड़ लगाकर फोटो भेंट करने की अपील की, वहीं पेड़ बैंक और 'अंकुर' जैसे मंच की अवधारणा रखी। समारोह में साध्वी दीदी माँ ऋतंभरा, पर्यावरणविद् डॉ. अनिल जोशी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (कउअफ) के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट, श्रीमती साधना सिंह और वरिष्ठ पत्रकार श्री आशुतोष झा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस मौके पर प्रारंभ में पूसा परिसर में पौधारोपण किया।

नर्मदा यात्रा से 'अंकुर अभियान' तकः हरित पृष्ठभूमि

श्री चौहान ने कार्यक्रम में बताया कि यह संकल्प किसी एक दिन की भावनात्मक प्रेरणा से नहीं, बल्कि वर्षों से विकसित पर्यावरणीय दृष्टि से उपजा है। 2017 में उनके नेतृत्व में निकली ऐतिहासिक नर्मदा सेवा यात्रा के समापन पर मध्य प्रदेश में 6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए, जिसने नदी, जंगल और जलवायु संरक्षण को जनआंदोलन में बदल दिया। इसी क्रम में 'अंकुर अभियान' शुरू किया गया, जिसमें नागरिकों को पौधा लगाकर

उसकी फोटो/सेल्फी पोर्टल पर अपलोड करने और उसकी रक्षा का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया गया; इस अभियान के माध्यम से लगभग 1 करोड़ पौधे लगाए गए और समाज के विभिन्न वर्ग इस हरित यात्रा से जुड़े। समय के साथ यह पहल मध्यप्रदेश से आगे बढ़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयाम ले चुकी है; जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, विशेष अवसरों पर लोगों ने पौधे लगाकर इस यात्रा को अपना व्यक्तिगत उत्सव बना लिया है।

हर कार्यक्रम की शुरूआत पौधारोपण से

श्री चौहान ने मंच से घोषणा की कि: - कृषि मंत्रालय के सभी कार्यक्रमों की शुरूआत अब पौधारोपण से करने की अपील।

- आईसीएआर के डीजी से उन्होंने कहा- आईसीएआर के अधीन हर कार्यक्रम, सेमिनार, सम्मेलन व समारोह पेड़ लगाकर ही शुरू करें।
- कृषि विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में पहले पेड़ लगाए जाएंगे और विद्यार्थियों से संकल्प दिलवाया जाएगा कि वे जीवनभर अपने जन्मदिन पर पौधा लगाएंगे।
- केवीके, एग्रीकल्चर कॉलेज और रिसर्च से जुड़े किसी भी आयोजन की शुरूआत पेड़ लगाकर करें ।

उन्होंने कहा कि जब कृषि विभाग अपने हर कार्यक्रम की शुरूआत पेड़ लगाकर करेगा तो सहज ही बड़ी संख्या में पौधे लगते चले जाएँगे और इससे बेहतर शुरूआत होगी।

स्मृति चिन्ह बंद, 'पेड़ लगाकर फोटो भेजो': सम्मान की नई परंपरा

श्री चौहान ने अपने लिए एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत निर्णय साझा किया कि अब वे अपने स्वागत में फूल-मालाएँ, पटका या स्मृति चिन्ह स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अक्सर सम्मान व्यक्ति से अधिक पद का होता है और पद समाप्त होने पर वही भीड़ गायब हो जाती है; इसलिए इस भ्रम से बाहर निकलना आवश्यक है। किसी भी संस्था या व्यक्ति को यदि उनका स्वागत करना है, तो वह पाँच सौ रुपये के स्मृति चिन्ह की जगह पाँच पौधे लगाए और उसकी फोटो उन्हें भेंट करे झ वही उनके लिए सच्चा अभिनंदन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कपड़े के पटके या माला का बाद में कोई उपयोग नहीं होता, जबकि उसी खर्च में लगाए गए पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी धरोहर बन जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि उनके मंत्रालय और अन्य आयोजकों को स्मृति चिन्ह की

गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुंदर पिचाई ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत जीआई कॉफी लाउंज का दौरा किया

वैश्विक प्रतिनिधियों ने एआई इम्पैक्ट समिट में भारत के जीआई-टैग्ड कॉफी शोकेस का अनुभव किया

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने भारत के जियोग्राफिकल इंडिकेशन प्रोडक्ट्स को ग्लोबली दिखाने के लिए यूनिफाइड नेशनल ब्रांड के तौर पर 'भारत जीआई' लॉन्च किया

प्रविष्टि तिथिः 19 ऋ़एइ 2026 5:41ढट ु८ ढक्ह ऊै

गूगल और अल्फाबेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुंदर पिचाई ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा आयोजित भारत जीआई कॉफी लाउंज का दौरा किया। मालाबार अरेबिका का स्वाद लेते हुए श्री पिचाई ने बरिस्ता से बातचीत की और भारत की प्रीमियम जीआई-टैग्ड कॉफी के रिच फ्लेवर का अनुभव किया।

फिनलैंड, फ्रांस, जापान, नाइजीरिया, बोत्सवाना, लिथुआनिया, कजाकिस्तान, पोलैंड और जर्मनी के प्रतिनिधियों ने भी कई अन्य देशों के अलावा कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर का दौरा किया। उन्होंने भारत की जीआई कॉफी विरासत में गहरी रुचि व्यक्त की। फिनलैंड के प्रतिनिधि ने विशेष रूप से मानसून मालाबार अरेबिका के मधुर, स्मूद स्वाद की सराहना की। उन्होंने इसके अद्वितीय चरित्र और विशिष्ट प्रसंस्करण परंपरा की प्रशंसा की जो इसे वैश्विक मंच पर विशेष स्थान प्रदान करती है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने पर इस पल को पोस्ट किया, 'जब @र४ल्लर्१ह्रू इसका स्वाद लेने के लिए आते हैं, तो आप जानते हैं कि यह वास्तव में इसके लायक है!

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दूसरे दिन भारत जीआई कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर, हॉल 14 प्रथम तल का दौरा किया

और भारत की जीआई-रजिस्टर्ड कॉफी की रिचनेस का उत्सव मनाया। उन्होंने बताया कि कैसे ज्योग्राफिकल इंडिकेशन ऑथेंटिसिटी को बनाए रखते हैं, स्थानीय समुदाय को मजबूत बनाते हैं, और भारत के अलग-अलग तरह के कॉफी ओरिजिन को ग्लोबल पहचान दिलाते हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में, भारत जीआई कॉफी भारत के विशेष ज्योग्राफिकल इंडिकेशन उत्पादों की खूबी का उत्सव मनाने वाले विशेष शोकेस के जरिए दुनिया भर का ध्यान खींच रही है। 16-20 फरवरी तक नई दिल्ली में हो रहे सबसे बड़े एआई इवेंट ने 'भारत जीआई' नाम की नई राष्ट्रीय पहल के हिस्से के तौर पर दुनिया भर का ध्यान खींचा।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत जीआई को समेकित राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा ब्रांड के तौर पर पेश किया है। इसका उद्देश्य 'ए वर्ल्ड एक्सक्लूसिव' टैगलाइन के साथ भारत के विशेष जीआई उत्पादों को दुनिया भर में दिखाना है। डीपीआईआईटी, कॉफी बोर्ड के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक आयोजन में आगंतुकों को देश के समृद्ध, अलग-अलग फ्लेवर और भारतीय कॉफी की विरासत का शानदार अनुभव दे रहा है।

हॉल नंबर 14 फर्स्ट फ्लोर पर बने कॉफी एक्सपीरियंस सेंटर ने कई जिज्ञासु लोगों को अलग-अलग भारतीय जीआई रजिस्टर्ड कॉफी को एक्सप्लोर करने और अनुभव करने के लिए आकर्षित किया। कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि टिकाऊ तरीके से छाया में उगाई गई, हाथ से चुनी गई और प्राकृतिक धूप में सुखाई गई भारत जीआई कॉफी का स्वाद लेने आए हैं।

डीपीआईआईटी और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद ने नवोन्मेषण को बढ़ावा देने और उद्योग की रूपरेखा को विजन 2047 के अनुरूप बनाने के लिए 'बॉयलर पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया

डीपीआईआईटी और राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद ने नवोन्मेषण को बढ़ावा देने और उद्योग की रूपरेखा को विजन 2047 के अनुरूप बनाने के लिए 'बॉयलर पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया

(जीएनएस)।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के सहयोग से हैदराबाद में 'बॉयलर पर चिंतन शिविर' का आयोजन किया।

चिंतन शिविर का आयोजन नवोन् मेषण को बढ़ावा देने, नीति कार्यान्वयन की समीक्षा करने और "विजन 2047" जैसे दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ रणनीतियों को संयोजित करने के उद्देश्य से सहयोगात्मक और दूरदर्शी चर्चाओं के माध्यम से किया गया था। विचार-विमर्श में इस इकोसिस् टम के सभी प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए बॉयलर उद्योग के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद की महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव श्री जय प्रकाश शिवहरे और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के केंद्रीय बॉयलर बोर्ड के तकनीकी सलाहकार (बॉयलर) एवं सचिव श्री संदीप सदानंद कुम्भार उपस्थित थे। राज्य सरकारों, बॉयलर निमार्ताओं, बॉयलर उपयोगकताओं, तृतीय पक्ष निरीक्षण प्राधिकरणों (टीपीआईए) और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों ने भी विचार-विमर्श में भाग लिया।

प्रतिभागियों को सूचित किया गया कि भारत सरकार ने बॉयलर अधिनियम 1923, जो संविधान-पूर्व का कानून है, की वर्तमान संदर्भ में उपयुक्तता और प्रासंगिकता का आकलन करने के लिए उसकी समीक्षा की थी। चूंकि यह अधिनियम जीवन और संपत्ति की सुरक्षा से संबंधित है, इसलिए इसके प्रावधानों की समीक्षा और अद्यतन करते हुए इसे यथावत रखने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, अधिनियम की समीक्षा की गई और इसे बॉयलर अधिनियम, 2025 के रूप में पुनः अधिनियमित किया गया, जो 1 मई 2025 से प्रभावी है। चिंतन शिविर ने पुनः अधिनियमित अधिनियम पर फीडबैक प्राप्त करने और बॉयलर उद्योग को नियंत्रित करने वाले विनियामकीय ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए सुझाव आमंत्रित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

शिविर के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों में बॉयलर अधिनियम, 2025 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों एवं विनियमों, व्यापार सुगमता और तृतीय-पक्ष निरीक्षण प्राधिकरणों एवं सक्षम व्यक्तियों की भूमिकाओं एवं उत् तरदायित् वों पर चर्चा की गई। उद्योग विशेषज्ञों ने पुराने बॉयलरों के शेष जीवन आकलन, बॉयलर निर्माण में उन्नत प्रौद्योगिकियों और सुपरक्रिटिकल बॉयलरों की स्थापना के दौरान आने वाली चुनौतियों पर विशेष सत्र भी आयोजित किए।

कार्यक्रम का समापन एक पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसके बाद एक खुली बातचीत का आयोजन किया गया, जिसमें हितधारकों को बॉयलर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों को बरकरार रखते हुए नियमों और विनियमों को युक्तिसंगत बनाने, अनुपालन के बोझ को कम करने और व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने हेतु सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

भू-विज्ञान मंत्रालय ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 'एआई फॉर ओशन्स ऑफ टुमॉरो: डेटा, मॉडल्स एंड गवर्नेंस' पर चर्चा की

(जीएनएस)।

भू-विज्ञान मंत्रालय ने 16 से 20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के हिस्से के तौर पर 'एआई फॉर अवर ओशन्स ऑफ टुमॉरोः डेटा, मॉडल्स एंड गवर्नेंस' विषय पर उच्च-स्तरीय पैनल चर्चा का आयोजन किया।

पैनल में शामिल विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत के समुद्री प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, समुद्री आजीविका और नीली अर्थव्यवस्था के विकास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस सत्र में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय हस्तियां, वैज्ञानिक, उद्योगपति, स्टार्टअप और वित्तीय विशेषज्ञ समुद्री विज्ञान और नीति के साथ एआई के एकीकरण पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए।

मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. एम. महपात्रा ने मुख्य भाषण देते हुए जलवायु नियंत्रण, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, खाद्य सुरक्षा और आजीविका में महासागरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने

महासागर अवलोकन, चक्रवात पूवार्नुमान, समुद्री डेटा प्रणालियों और प्रारंभिक चेतावनी सेवाओं में भारत की मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति ने विपरीत मौसम के दौरान होने वाली जानमाल की हानि को काफी हद तक कम कर दिया है। उन्होंने अपने भाषण में विशेष रूप से महासागरों का गर्म होना, अम्लीकरण और समुद्र स्तर में वृद्धि जैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के संदर्भ में पारंपरिक भौतिक मॉडलों के पूरक के रूप में डेटा-आधारित और एआई-सक्षम मॉडलों के महत्व पर बल दिया। इसमें डीप ओशन मिशन को गहरे समुद्र की खोज, अपतटीय ऊर्जा, जैव विविधता संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग पर केंद्रित एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस सत्र को संबोधित करते हुए भारत में नॉर्वे की राजदूत सुश्री मे-एलिन स्टेनर ने महासागरों और नीली अर्थव्यवस्था में भारत-नॉर्वे के बढ़ते सहयोग पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि जब एआई को खुले, अंतरसंचालनीय और विश्वसनीय डिजिटल आधारों पर विकसित किया जाता है, तो यह मत्स्य प्रबंधन, जहाजरानी दक्षता, बंदरगाह संचालन और तटीय मजबूती को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है। सुश्री स्टेनर ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना में भारत का अग्रणी होना इसे खुले डेटा, साझा मानकों और जिम्मेदार डिजिटल प्रबंधन पर आधारित एक वैश्विक डिजिटल महासागर ढांचा विकसित करने में सक्षम बनाएगा, जिससे न केवल भारत बल्कि वैश्विक समुदाय को भी लाभ होगा।

सत्र के उत्तरार्ध में सरकार, शिक्षा जगत, उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की एक पैनल चर्चा हुई। पैनल ने विचार-विमर्श किया कि भारत खुले डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) संचालित बुद्धिमत्ता और सुदृढ़ शासन ढांचे को एकीकृत करने वाले डिजिटल महासागर अवसंरचना विकसित करके वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने के लिए विशिष्ट रूप से सक्षम है।

भारत एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 में वैश्विक नेताओं ने एआई के प्रसार, अवसंरचना और समावेशी शासन पर विचार-विमर्श किया

अमेरिका, यूएई और कोस्टा रिका ने नवाचार, साझेदारी और दायित्वपूर्ण विनियमन पर केंद्रित राष्ट्रीय एआई रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की

पैनल ने संदर्भ-संवेदनशील एआई सुशासन और विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत बहुपक्षीय सहयोग का आ'ान किया

अवसंरचना, नवाचार, दायित्वपूर्ण विनियमन और वैश्विक सहयोग को एआई के व्यापक लाभ सुनिश्चित करने की कुंजी के रूप में पहचाना गया

(जीएनएस)।

इंडिया एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 में एक उच्च स्तरीय पैनल ने एआई के प्रसार के अर्थ, बुनियादी ढांचे और नवाचार के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों और वैश्विक सहयोग और विनियमन की विकसित होती संरचना पर विचार-विमर्श किया। इस सत्र में कोस्टा रिका की

विज्ञान, नवाचार, प्रौद्योगिकी और दूरसंचार मंत्री महामहिम पाउला बोगेंटेस जमोरा; संयुक्त अरब अमीरात के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल अर्थव्यवस्था और दूरस्थ कार्य अनुप्रयोगों के राज्य मंत्री महामहिम उमर अल ओलामा; व्हाइट हाउस में एआई के लिए वरिष्ठ नीति सलाहकार श्री राम कृष्णन और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. समीर सरन ने भाग लिया।

श्री श्रीराम कृष्णन ने संयुक्त राज्य अमेरिका की एआई प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, जो तीन प्रमुख स्तंभोंः विश्व स्तरीय एआई अवसंरचना का निर्माण, नवाचार को बढ़ावा देना और सहयोगी देशों के साथ साझेदारी को मजबूत करने पर आधारित हैं। उन्होंने डेटा सेंटर क्षमता और कंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही यह सुनिश्चित करने पर भी बल दिया कि लागत वहनीय हो और ऊर्जा स्थिरता बनी रहे। उद्यमियों और प्रौद्योगिकी निमार्ताओं की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि नवाचार को अत्यधिक नौकरशाही से बाधित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने नियामक स्पष्टता और पूवार्नुमान की आवश्यकता पर बल दिया ताकि नवप्रवर्तक निश्चितता के साथ काम कर सकें, साथ ही बाल संरक्षण, बौद्धिक संपदा अधिकार और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की रक्षा भी हो सके। उन्होंने वैश्विक स्तर पर साझा एआई क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी सहयोग और सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखलाओं सहित अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के महत्व को भी रेखांकित किया।

एपेडा ने तमिलनाडु से कनाडा के लिए जीआई-टैग वाले सलेम साबूदाने की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

(जीएनएस)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) ने तमिलनाडु के सलेम से कनाडा को 0.5 मीट्रिक टन जीआई-टैग युक्त सलेम साबूदाना के निर्यात को सुगम बनाया। मार्च 2023 में उत्पाद को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त होने के बाद, यह जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता, सागोसर्व द्वारा सीधे भेजा गया पहला निर्यात है।

तमिलनाडु टैपिओका साबूदाना का सबसे बड़ा उत्पादक है। सलेम को लंबे समय से देश के साबूदाना और स्टार्च उद्योग के केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। साबूदाना टैपिओका की जड़ों से प्राप्त होता है और भारत के कई हिस्सों में मुख्य भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है।

तमिलनाडु सरकार के अधीन सागोसर्व को मार्च 2023 में सलेम साबूदाने के लिए जीआई पंजीकरण प्राप्त हुआ। इस संस्था में 334 पंजीकृत सदस्य-निमार्ता हैं और यह अपने सदस्यों द्वारा उत्पादित साबूदाने और स्टार्च के विपणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही यह संस्था भंडारण, गुणवत्ता सुधार उपायों और टैपिओका की खेती और साबूदाने के प्रसंस्करण मानकों को बेहतर बनाने जैसी आवश्यक सेवा सुविधाएं भी प्रदान करती है।

सलेम का साबूदाना उद्योग टैपिओका की खेती में लगे जनजातीय समुदायों सहित बड़ी संख्या में किसानों को आजीविका प्रदान करता है। जीआई-प्रमाणित उत्पादन को सीधे निर्यात के अवसरों से जोड़कर, इस पहल ने टैपिओका की खेती पर निर्भर किसान परिवारों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्ति और आय की संभावनाओं को मजबूत किया है।

परंपरागत रूप से, सलेम साबूदाने की आपूर्ति महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के व्यापारियों को की जाती रही है और इसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों में निर्यात किया जाता है। हालांकि, यह खेप जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता संस्था द्वारा किया गया पहला सीधा निर्यात था।

अन्य प्रमुख बाजारों में निर्यात की संभावनाओं को तलाशने के लिए, 18 फरवरी 2026 को तमिलनाडु के सलेम स्थित सलेम स्टार्च एंड सैगो मैन्युफैक्चरर्स सर्विस इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के परिसर में एक निर्यात-केंद्रित कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

यह पहल जीआई-टैग वाले उत्पादों को बढ़ावा देने, उत्पादक समितियों और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच सीधे बाजार संपर्क स्थापित करने और भारत से मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ाने की एपीईडीए की रणनीति के अनुरूप है, और निकट भविष्य में इस तरह के और भी कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

रमजान के पाक महीने के लिए रोजेदरों, जरूरतमंदों को राहत

लखनऊ, पीस एजुकेशन चार्टर्ड ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक और सलाहकार जनाब खालिद इस्लाम साहब के सहयोग से रमजान के पाक महीने में रोजेदारों और जरूरतमंदों को रमजान किट का वितरण किया गया। जरूरतमंद लोगों ने आकर किट प्राप्त की, जिससे उन्हें रमजान के महीने में राहत मिली।इस अवसर पर ट्रस्ट ने खालिद इस्लाम साहब को उनके इस नेक काम के लिए बहुत-बहुत मुबारकबाद दी गई। ट्रस्ट के इस प्रयास से जरूरतमंदों को मदद मिली और उन्हें रमजान के महीने में सहारा मिला।इस वितरण कार्यक्रम में जरूरतमंदों को रमजान किट प्रदान की गई, जिसमें आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। इस मौके पर ट्रस्ट के सदर मुर्तजा अली, अमीर किदवई, तंजीम अप्सर जाफरी साहब,ओसामा रावत साहब, हलीमा अजीम,नईम,महफूज अहमद साहब, अहमद अंसारी साहब, बाकी सारे लोगों का जोड़ दीजिएऔर कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

फरह पुलिस से मुठभेड़ में शातिर लुटेरा हुआ लंगड़ा : महिलाओं के कान से कुंडल छीनकर चल रहा था फरार

मथुरा (जीएनएस)। थाना फरह क्षेत्र स्थित पींगरी के पास फरह पुलिस की फरार चल रहे शातिर लुटेरे से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से लुटेरा लंगड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी फरह छोटेलाल पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि महिला के कान से कुंडल खींचकर फरार हुआ शातिर बदमाश कहीं भागने की फिराक में गांव पींगरी कट के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी छोटेलाल पुलिस टीम में कस्बा चौकी प्रभारी अजय सिंह मलिक, चौकी प्रभारी रैपुराजाट तेजेन्द्र सिंह, एसआई अमित चौहान, मुख्य आरक्षी सर्वेश सिंह, विनय कुमार, पंकज कुमार, सर्वेश सिंह और अखिलेश कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़े शातिर बदमाश ने फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी कार्रवाई की तो शातिर बदमाश महेन्द्र उर्फ हल्के पुत्र कप्तान सिंह उर्फ सौदान सिंह निवासी गांव सूमपुरा थाना फरह के पैर में गोली धंस गई। पुलिस की गोली लगते ही जमीन पर गिरे घायल बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार करके उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घायल बदमाश के पास से एक तमंचा, कारतूस और लूटे माल को बेचकर हिस्से में आए 4 हजार रुपए बरामद किए हैं। बताते चलें कि विगत 13 फरवरी को हिन्दुस्तान कॉलेज के पास से बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला के कान से कुंडल छीने थे और विगत 18 फरवरी को मां की रसोई होटल के पास दो भी एक महिला के कान से कुंडल छीनकर पुलिस को चुनौती दी थी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखकर लुटेरों की पहचान कर ली। उसी समय से पुलिस शातिर बदमाश को गिरफ्तार करने के लिए दबिशें दे रही थी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

ब्रजवासियों ने किया गालिब को याद : मिर्जा गालिब के जन्मदिवस पर हुआ कार्यक्रम आयोजित

मथुरा (जीएनएस)। बृजवासी मिर्जा गालिब को उनके जन्मदिवस पर बार-बार याद करते हैं। उस महाकवि का चमत्कार ही कुछ ऐसा है, जिसके काव्य को भुलाया नहीं जा सकता। शताब्दियां जिसको दोहराती रहेंगी और जिस पर शोधकर्ता अपने शोध ग्रंथ प्रस्तुत करते रहेंगे। यह बातें मथुरा के प्रसिद्ध वकील तनवीर अहमद खांन ने कहीं। उन्होंने गालिब दिवस की एक गोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए प्रमुख बातें कहीं। वहीं संचालक करते हुए प्रिंसिपल जिया उल हक ने विषय को विस्तार देते हुए कहा कि साहित्य सबके हित की बात करता है और अदब तो बात ही है, सदव्यवहार, सद विचार और सलीके की। उन्होंने कहा कि हमें भारत भूमि के महान कवियों जैसे कालिदास, अमीर खुसरो, कबीर, गालिब, टैगोर, सरोजिनी नायडू, महादेवी वर्मा और अब्दुल रहीम खांन खाना को बार-बार याद करते रहना चाहिए, ताकि हमारे आने वाली नस्ल, देश के साहित्य का गुणगान करते रहें। इस मौके पर मुख्य वक्ता डा. जैड हसन ने मिर्जा गालिब के जीवन और काव्य पर विशेष प्रकाश डालते हुए गालिब की चार पंक्तियां प्रस्तुत कीं, जिनमें सभी धर्मों का सार निहित है। "ना सुनो गर बुरा कहे कोई, ना कहो गर बुरा करे कोई", "रोक लो गर गलत चले कोई, बख्श दो गर खता करे कोई"। योग्य वक्ता ने अगली सुंदर बात कही कि गालिब के जमाने में दिल्ली की गलियां उजड़ रही थीं, बस्तियां बर्बाद हो रही थीं। इस दुखद आपातकाल में कुछ ऐसी रचनाएं प्रस्तुत कर दीं जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का काम करती रहेंगी। इस बीच मुख्य वक्ता डा. जैड हसन ने अपनी वाणी से खूब तालियां बटोरीं और फिर उपस्थित सज्जनों ने भी नए-नए गुल खिलाए। वहीं डा. अबरार ने गालिब की गरीबी का जिक्र किया, गालिब रोजा नहीं रखते, नमाज के भी पाबंद नहीं हैं, जिस के पास रोजा खोल के खाने को कुछ ना हो वह रोजा न खाएं तो नाचार क्या करें। अपनी गरीबी का गालिब ने खुद ही जिक्र किया है, गालिब को पता चला कि आज उसका महबूब उसके घर आने वाला है तो रोता है सीना पीटता है उसे क्या खिलाएगा और कहां बिठाएगा। इसीक्रम में गफ्फार एडवोकेट और निसार खांन ने मिर्जा गालिब के पुस्तकालय की दीवार पर लगे चित्र देखे और उनकी पोशाक को देखकर आश्चर्य चकित रह गए। कहा कि विभिन्न अवसरों पर बहादुर शाह जफर के दरबार से गालिब को पांच वस्त्रों वाला या सात वस्त्रों वाला शाही लिबास मिलता था तथा कुछ नगदी भी, जिसको लूटने छीनने ने के लिए गालिब के चाहने वाले उनके घर पहुंच जाते थे और गालिब इस लिबास का कुछ हिस्सा बेचकर उन्हें कुछ न कुछ जरूर देते थे। इस मौके पर सुलेमान और मुजफ्फर साहब ने गालिब की घरेलू जिंदगी को अंदर से झांक कर देखा और बताया कि मियां बीवी में कभी बनती नहीं थी, बीवी, रोजा-नमाज की पाबंद और परहेजगार थी और शौहर शराबी कबाबी। इस बीच अध्यक्ष तनवीर अहमद ने कहा कि ऐसी महफिल हमारे यहां बार-बार होती रहनी चाहिए, इससे बहुत अच्छा लगेगा। इस मौके पर अब्दुल रहमान, हमीद खांन, लाला पहलवान, हबीब अंसारी, राशिद खांन, गफ्फार अब्बास एडवोकेट, शाहिद खांन और बुरहान आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण की नगरी में होली पर रंगों के साथ सांस्कृतिक भजनों के होंगे कार्यक्रम : ब्रज तीर्थ विकास

परिषद और जिला प्रशासन तैयारी में जुटा

मथुरा (जीएनएस)। ब्रज की विश्व प्रसिद्ध होली के पर्व पर इस बार ब्रज में रंगों के साथ लोक संस्कृति संगीत एवं परंपराओं की अभिनव छटा श्रद्धालुओं और पर्यटकों का ध्यान खींचेगी। इस बार उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद होली के रंगोत्सव को सांस्कृतिक आयाम देते हुए लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के माध्यम से ब्रज की जीवंत परंपराओं को सजीव करने में जुटा हुआ है। ब्रज में प्रमुख रूप से बरसाना, नन्दगांव, वृंदावन, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, गोकुल, महावन और बल्देव समेत प्रमुख स्थलों पर रंगों की फुहार के साथ लोक कलाकार पारंपरिक प्रस्तुतियों से वातावरण को आनंदित करेंगे। विश्व प्रसिद्ध ब्रज की होली अब रंगोत्सव के रूप में प्रारंभ हो रही है। इसकी शुरूआत आगामी 24 फरवरी को बरसाना की ऐतिहासिक लड्डू होली से होगी, जबकि 25 फरवरी को यहां प्रसिद्ध लठमार होली मनाई जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बरसाना स्थित ब्रज बिहारी इंटर कॉलेज में मुख्य मंच तैयार हो रहा है, जहां 24 फरवरी को मिश्रा बंधु, विवेक मेहता, पूनम दीदी और कुमार सत्यम भजनों की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद 25 फरवरी को लठमार होली पर मुरारीलाल शर्मा, अभिलाषा वर्मा, बनवारी लाल शर्मा और कैलाश पीयूष अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसी के साथ ब्रज तीर्थ परिषद ने बरसाना में सात अतिरिक्त मंच भी तैयार किए हैं, जहां लोक कलाकार प्रस्तुतियां देंगे और स्ट्रीट प्रस्तुति के माध्यम से पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया जाएगा। बरसाना के बाद रंगोत्सव का उत्साह 26 फरवरी को नन्दगांव और रावल में पूरे चरम पर होगा तथा 27 फरवरी को श्रीकृष्ण जन्मस्थान और श्री बांकेबिहारी मंदिर (वृंदावन) में रंगों की होली मनाई जाएगी। दूसरी ओर द्वारिकाधीश मंदिर में कुंज की होली होगी। इसीक्रम में आगामी 3 मार्च को फालैन में होलिका दहन और मथुरा में चतुर्वेदी समाज का डोला निकाला जाएगा और 5 मार्च को बल्देव में दाऊजी का प्रसिद्ध हुरंगा, नन्दगांव और जाव में हुरंगा आयोजित होगा। इसी के साथ मुखराई में चरकुला नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहेगा तथा 6 मार्च को विश्रामघाट (मथुरा), बठैन और गिडोह में हुरंगा की धूम मचेगी। इसके बाद 9 मार्च को महावन और 12 मार्च को श्री रंगजी मंदिर में होली के साथ सांस्कृतिक एवं लोक कलाओं का भव्य आयोजन होगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के साथ ही जिला प्रशासन भी रंगोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। इस संबंध में ब्रज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल ने बताया कि इस बार ब्रज में होली पर रंग, संस्कृति, संगीत और लोक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। दूसरी ओर आगरा मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप सिंह ने श्रीकृष्ण की नगरी में विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाली होली के व्यवस्थाओं का निरीक्षण करके आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए हैं।

दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान का राष्ट्रीय अधिवेशन 21 और 22 फरवरी को होगा आयोजित : देश की प्रमुख हस्तियां होंगी कार्यक्रम में शामिल

मथुरा (जीएनएस)। दीनदयाल उपाध्याय के प्रेरणादायी कार्यों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य एवं अटलबिहारी वाजपेयी के मार्गदर्शन में स्थापित दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 21 और 22 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। श्रीकृष्ण की नगरी में होने जा रहे अधिवेशन में देश की राजनीति और समाज सेवा से जुड़े तमाम प्रमुख हस्ती शामिल होंगी। यह समागम संगठनात्मक दिशा निर्धारण एवं सेवा गतिविधियों के विस्तार पर केंद्रित रहेगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक रासबिहारी अग्रवाल, योगेश उपाध्याय आवा, कन्हैया लाल अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, सुभाष सैनी, मदनमोहन राजपूत, बाबूलाल सैनी, सौरभ अग्रवाल, पंकज सिंघल और नरेंद्र गौतम ने बताया कि अधिवेशन का शुभारंभ 21 फरवरी को दोपहर 2:30 बजे श्रीजी बाबा आश्रम भूतेश्वर में होगा, जिसमें देश के विभिन्न जिलों से करीब 2 सौ 50 प्रतिनिधिय सहभागिता करेंगे। अधिवेशन के दौरान चार चरणों में बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें संगठन विस्तार सेवा, परियोजनाएं और सामाजिक समरसता से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। बताया कि मुख्य कार्यक्रम 21 फरवरी को श्रीजी बाबा आश्रम भूतेश्वर परिसर में आयोजित किया जाएगा। तैयारियों की बैठक में अजय कुमार अग्रवाल, रासबिहारी अग्रवाल, मदन मोहन राजपूत, सुभाष सैनी, बाबूलाल सैनी, नरेंद्र गौतम, यशपाल चौधरी, आशीष अग्रवाल और डा. रश्मि अग्रवाल समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'सूरत के बाजार में एजेंसियों और दलालों द्वारा की गई धोखाधड़ी के कारण व्यापारी भुगतान में फंसे हुए हैं '

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत।

सूरत शहर, जिसे वस्त्र बाजार और हीरा शहर के नाम से जाना जाता है, एक अंतरराष्ट्रीय बाजार है। इन बाजारों से विदेशों में माल का निर्यात होता है। भारत के कई राज्यों में भी विभिन्न प्रकार के वस्त्रों का व्यापार होता है। ये वस्त्र थोक व्यापारियों से लेकर अर्ध-थोक व्यापारियों तक, एजेंसी और बिचौलियों के नियंत्रण में खुदरा ग्राहकों तक बाजार की नीतियों, नियमों और विनियमों के अनुसार बेचे जाते हैं। थोक व्यापारी अपनी विश्वसनीयता का लाभ उठाते हुए, करोड़ों रुपये का माल देश के अन्य राज्यों और विदेशों में उन्हीं एजेंसियों और बिचौलियों के माध्यम से बेचते थे। इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए, एजेंसियां और बिचौलिए माल खरीदने वाले व्यापारियों से अपने नाम पर बिल बनाते थे, कानून के नियमों और विनियमों का उल्लंघन करते हुए, बिचौलिए और एजेंसियों के प्रबंधक अपने नाम पर जल्दी भुगतान ले लेते थे और लंबे समय तक थोक व्यापारियों को भुगतान नहीं करते थे। इससे तंग आकर थोक व्यापारी अंततः माल खरीदने वाले मूल पक्ष को फोन करते हैं, पूरा भोपाल हंगामा मच जाता है और थोक व्यापारी हैरान रह जाते हैं। जब एजेंसियों या बिचौलियों से माल के बकाया भुगतान की मांग की जाती है, तो वे गुस्से में आकर व्यापारियों के सामने हाथ मिला लेते हैं। मीठी-मीठी बातें करने के बाद, एजेंसियों और बिचौलियों के प्रबंधक अंततः अपने खातों के चेक थोक व्यापारियों को देकर मामले को शांत कर देते हैं।

लेकिन ये एजेंसियां और बिचौलिए व्यापारियों द्वारा दिए गए चेक को तय तारीख पर जमा नहीं करते और समय बर्बाद करते हैं, जिससे चेक की तारीख बीत जाने के बाद थोक व्यापारी कोई कानूनी कार्रवाई नहीं कर पाते। पुलिस और अदालती चक्करों से बचने के लिए एजेंसियां और बिचौलिए इसका फायदा उठाते हैं। इस तरह, थोक व्यापारियों के भुगतान नियमों और मानदंडों का उल्लंघन करते हुए, अधिक प्रतिशत काटकर भुगतान ले लेते हैं और एजेंसी प्रबंधक और बिचौलिए हवाई जहाज से यात्रा करते हैं और देश-विदेश में रातें बिताते हैं। वहीं, मूल माल का मालिक, यानी थोक व्यापारी, देश-विदेश में बसों और ट्रेनों से यात्रा करके ग्राहक से बकाया राशि वसूलता है। जब ग्राहक थोक व्यापारियों को बताता है कि उसका भुगतान दो महीने पहले ही हो चुका है, तब व्यापारी के पैरों तले जमीन खिसक जाती है।

इस तरह की कार्यप्रणाली में बिचौलिए और एजेंसियां बंद दुकानों को किराए पर लेती हैं और थोक व्यापारियों से सामान खरीदने के लिए अन्य तीसरे पक्षों को नियुक्त करती हैं, फिर सामान को अन्य लोगों को बेच देती हैं, दुकान की खिड़कियां बंद कर देती हैं और रात भर काम करती हैं, जिससे थोक व्यापारी पीड़ा से कराहते हैं।

सूरत के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों का शोषण और भ्रष्ट भवन प्रबंधन

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत

सूरत शहर के सचिन, सूदा, कनकपुर, कंसद, पालीगम, तलंगपुर, पलसाना, कडोदरा, जोलवा, तातिथैया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में, साथ ही हजीरा, किम, पिपोदरा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में भी, कामगार वर्ग के लिए 8७8 या 10७10 के कमरे उन इमारतों में बनाए जा रहे हैं जिनमें हवा नाम की कोई चीज नहीं है। लेकिन हर कमरे में, जहां सांस लेना मुश्किल है, 5 से 7 लोग किराए पर रह रहे हैं।

उपरोक्त क्षेत्रों के पदाधिकारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से इन इमारतों का निर्माण करने वालों को फायदा हो रहा है, जिसके चलते बेतरतीब ढंग से इमारतें बन रही हैं और कामगार वर्ग का आर्थिक शोषण हो रहा है।

इन इमारतों का निर्माण करने वाले छोटे-बड़े व्यवसाय करके पैसा कमाते हैं और निर्माण का कोई ज्ञान या अनुभव न होने के बावजूद, वे किसी वास्तुकार या सिविल इंजीनियर से सलाह लिए बिना या भवन योजना और नक्शे प्रस्तुत किए बिना ही इस प्रकार, कारखाने में रहने वाले मजदूर 8७8 या 10७10 के कमरों में जेल की कोठरियों की तरह रहते हैं। क्योंकि गर्मियों में इन कमरों में रहने वाले मजदूरों की हालत बेहद खराब हो जाती है। एक ओर, अगर कोई मजदूर कारखाने की गर्मी से थककर घर आता है, तो हवा और रोशनी न होने के कारण कमरों की भीषण गर्मी से परेशान होकर पसीने से तरबतर हो जाता है। यह उसके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन जाता है।

जो लोग इस तरह की इमारतें बनाते हैं, वे ऊपरी हिस्से में कमरे बनाते हैं और निचले हिस्से में दुकानें बनाते हैं। वे इन दुकानों को खुद को या अपने करीबी रिश्तेदारों को किराए पर देते हैं और उनमें एक किराने की दुकान भी खोलते हैं।

वे अन्य दुकानों को भी दूसरों को किराए पर देते हैं और उनसे किराया वसूलते हैं। अब चूंकि किराने की दुकान भी इमारत के मालिक या उसके करीबी रिश्तेदारों की ही होती है, तो फिर यह कैसे हो सकता है कि उसके कमरों में रहने वाले मजदूर उसकी अपनी दुकान से ही किराने का सामान न खरीदकर दूसरी दुकानों से ही खरीदें ? इस तरह व्यापारी मजदूर वर्ग का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, उल्लासनगर के नकली और घटिया सामान जैसे साबुन, टूथपेस्ट, तेल आदि को ब्रांडेड सामान बताकर बेचा जाता है और असली सामान की कीमत वसूल की जाती है। इसके लिए मजदूरों की मासिक डायरी बनाई जाती है। जिसमें दाल, चावल, फलियां और राशन से संबंधित सभी खाद्य पदार्थों को घटिया बताकर ब्रांडेड सामान बताकर पैसे वसूले जाते हैं।

जब डायरी का मासिक हिसाब-किताब किया जाता है, तो भुगतान करते समय मजदूर सामान की ऊंची कीमत या गुणवत्ता की तुलना नहीं करते हैं। इस कारण दुकानदार कुल राशि में गलती कर देता है और डायरी में लिखी राशि ही दुकानदार को दे देता है, जिसके बाद मजदूर चला जाता है। दुकानदार द्वारा बेचा गया सामान घटिया गुणवत्ता का होता है, जो मजदूरों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। जिसके कारण उनका स्वास्थ्य खराब हो जाता है। लेकिन दीर्घकाल में इसका प्रभाव यह है कि श्रमिकों में बीमारी की दर बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है। इस संबंध में, स्वास्थ्य विभाग और वजन विभाग द्वारा खाद्य एवं किराना दुकानों में बिकने वाली अस्थायी वस्तुओं की नियमित जांच आवश्यक है। हालांकि, इस मामले में सरकारी व्यवस्था गहरी नींद में है।

ऊपर निर्मित इमारतों में 8x8 या 10x10 आकार के 50 से 100 कमरे हैं, और ये कमरे कैसे बनाए जा रहे हैं? इसका कारण यह है कि इन इमारतों का निर्माण करने वाले लोग सूरत नगर निगम, सुदा, नगर पंचायत या अन्य पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारियों और सरकारी अधिकारियों द्वारा "नियंत्रित" हैं।

इन भ्रष्ट अधिकारियों और पदाधिकारियों के "पाप" के कारण, किराया वसूलने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में अव्यवस्थित इमारतें बना रहे हैं, जिससे मजदूरों का जीवन खतरे में पड़ रहा है।स्थायी आय और किराए के लिए निर्मित भवनों का आज तक किसी भी अधिकारी या पदाधिकारी ने दौरा नहीं किया है और भवनों की गुणवत्ता और वायु गुणवत्ता के संबंध में कोई गंभीर निरीक्षण नहीं किया गया है, जिसके कारण श्रमिक वर्ग दयनीय जीवन जीने को विवश है । विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, प्रत्यक्ष निरीक्षण न करने का कारण यह है कि भवन मालिकों द्वारा अधिकारियों या पदाधिकारियों को उनके सहायकों द्वारा प्रति भूखंड निर्धारित राशि के सीलबंद लिफाफे दिए जाते हैं, यानी एक, दो या अधिक भूखंडों को मिलाकर निर्मित भवनों के लिए , इसलिए अधिकारी और पदाधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करने से बचते हैं।

चूंकि भवन मालिक उक्त भवनों में किराए पर दिए गए कमरों में रहने वाले लोगों की कोई गहन जांच नहीं करते , इसलिए कुछ समय पहले पालसाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों को गांजा, चरस, भांग, अफीम, शराब आदि मादक पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। यह भवन मालिकों की लापरवाही और गैरजिम्मेदारी का एक उदाहरण है। क्या भवन मालिक यह जांच नहीं करते कि कमरा किराए पर लेने वाला व्यक्ति कहां काम करता है? क्या उसके पहचान पत्र असली हैं या नकली? उसका व्यवसाय क्या है?

इस तरह की गहन जांच किए बिना ही कमरे किराए पर दे दिए जाते हैं।

इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस व्यवस्था की ज़िम्मेदारी अधिकारियों और पदाधिकारियों से कहीं अधिक है। क्योंकि उसे स्वयं किरायेदारों के बारे में मालिकों से जानकारी एकत्र करनी चाहिए और जांच करनी चाहिए। इसके विपरीत, भ्रष्टाचार से ग्रस्त पुलिस व्यवस्था होली, दिवाली या अन्य त्योहारों के दौरान अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में ऐसे भवनों के मालिकों को अपने सहायकों के माध्यम से पुलिस थानों में बुलाती है और उन्हें अपना ही प्रशासन चलाने के लिए मजबूर करती है। इस खेल में, कुछ अधिकारी, नशीले पदार्थों के व्यापार को भली-भांति जानते हुए भी, आंखें मूंद लेते हैं और अपनी स्वार्थपरता पूरी करते हैं, जिसके कारण नशीले पदार्थों का व्यापार जारी रहता है।

यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि इस प्रकार की घटिया इमारतें पहले भी ढह चुकी हैं, जिससे कई लोगों की जान-माल की हानि हुई है। इसके अलावा, यदि इन कमरों में रहने वाले श्रमिकों के बीच किसी विवाद या झगड़े में किसी की मृत्यु हो जाती है, तो वे आत्महत्या कर लेते हैं और उचित जांच किए बिना शव को मृतक के परिवार को सौंप देते हैं।

इससे अधिक शर्मनाक और क्या हो सकता है? इस प्रकार, उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक अपना जीवन ईश्वर पर भरोसा रखते हुए व्यतीत करते हैं और अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

नियो-क्लासिक सेगमेंट में बदलाव लाने वाली जावा 42 अब आइवरी रंग में

लखनऊ। जावा येजदी मोटरसाइकिल्स में नियो-क्लासिक सेगमेंट की शुरूआत करने वाली मोटरसाइकिल जावा 42 अब नए आइवरी रंग में पेश की गई है। यह नया पेस्टल शेड दुनिया भर में बढ़ती उस पसंद को दशार्ता है, जिसमें लोग सांस्कृतिक शोर से राहत पाने के लिए नरम और सुकून देने वाले रंग चुन रहे हैं। यह ट्रेंड 2026 के कलर ऑफ द ईयर में भी दिखाई देता है। '42' नंबर की रेट्रो लिवरी और डेकल्स नई जावा 42 आइवरी को एक शांत लेकिन अलग पहचान देते हैं।

जावा येजदी मोटरसाइकिल्स के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा ने कहा, 'जावा 42 ने 2018 में क्लासिक मोटरसाइकिल की परिभाषा बदल दी। इसने दिखाया कि भारतीय राइडर एक सच्चे नियो-क्लासिक से क्या उम्मीद कर सकता है। अपने बोल्ड डिजाइन, मजबूत परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग, सुरक्षा और राइडर-फर्स्ट फीचर्स के साथ जावा 42 आज भी एकरूपता का तोड़ है। जो लोग जावा 42 चुनते हैं, वे शोर से दूर हटकर अपनी खुद की कहानी गढ़ते हैं, ट्रेंड्स की जल्दबाजी से परे और दिखावे की चिंता से मुक्त। आइवरी रंग के साथ हम इसी भावना को पहचान दे रहे हैं। यह रंग राइडर्स को अपनी गति से जावा की शांत और अलग पहचान का एहसास दिलाता है। '42' हमारे लिए सच्ची जिज्ञासा का प्रतीक है। जावा हमेशा रेट्रो नियमों को नए तरीके से पेश करेगा, बातचीत, यादें और खोज को प्रेरित करता रहेगा।'

जावा 42 खुद में उन युवाओं के लिए एक स्टेटमेंट है जो अपनी अलग पहचान को महत्व देते हैं। इसने 2018 में डिजाइन-फर्स्ट सिल्हूट और खास पेस्टल रंगों के साथ मोनोक्रोम क्लासिक सेगमेंट में बदलाव लाया। 42 की रंगीन और स्पोर्टी पहचान ने असली रेट्रो-कूल को नई परिभाषा दी, जिसे टैंक के नीचे मजबूत परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग का साथ मिला। शुरूआती पेस्टल रेंज ने मिड-साइज क्लासिक्स की ग्रे दुनिया को चुनौती दी, जो तब एक जैसे डिजाइन और साधारण प्रदर्शन से भरी हुई थी।

एचडीएफसी बैंक उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में 'मेगा कार लोन मेला' आयोजित करेगा

लखनऊ,: भारत का लीडिंग प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में इस साल का पहला 'मेगा कार लोन मेला' आयोजित कर रहा है। इस मेगा कार लोन मेले में दोनों राज्यों की 500 से ज्यादा ब्रांच इसमें हिस्सा लेंगी। इस आयोजन का मकसद 'एक्सप्रेस कार लोन' को प्रमोट करना है, जो कार खरीदने वालों के लिए एक कॉम्प्रिहेंसिव और ज्यादा सुविधाजनक, डिजिटल सफर है और इसमें टाइम भी बचता है।

'एक्सप्रेस कार लोन' एचडीएफसी बैंक की तरफ से पूरी तरह से डिजिटल लोन ऑफर है, जिससे कस्टमर्स को कार लोन के लिए तुरंत अप्रूवल और डिसबर्समेंट मिलता है, जिसमें फंड सीधे डीलर को ट्रांसफर किया जाता है। एक्सप्रेस कार लोन 30 मिनट के अंदर कार लोन डिसबर्समेंट प्रोसेस को इनेबल करता है।

एचडीएफसी बैंक ने लीडिंग ऑटोमोबाइल डीलरशिप के साथ पार्टनरशिप की है जो लेटेस्ट ऑटोमोबाइल मॉडल्स डिस्प्ले करेंगे, जिससे कस्टमर्स टेस्ट ड्राइव ले सकेंगे, अपनी पसंद के मॉडल के बारे में ज्यादा जान सकेंगे और जरूरत पड़ने पर खरीदने के लिए लोन ले सकेंगे। साथ ही, बैंक पात्र ग्राहकों को मौके पर ही ऋण स्वीकृत करेगा।

'मेगा कार लोन मेला' का उद्देश्य ऑटो डीलरों और खरीदारों को एक छत के नीचे लाना है, ताकि कार खरीदने और न्यूनतम दस्तावेजीकरण के साथ ऋण प्राप्त करने के ग्राहक अनुभव को बढ़ाया जा सके।

एचडीएफसी बैंक के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शाखा बैंकिंग प्रमुख, श्री मुस्कान सिंह ने इस पहल पर बोलते हुए कहा, 'एचडीएफसी बैंक में, हम ग्राहकों के लिए कार खरीदने की यात्रा को सहज और सुविधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ऑटो डीलरों और वित्तपोषण समाधानों को एक छत के नीचे लाकर, हमारा लक्ष्य ग्राहकों को ऋण तक तेज पहुंच, अधिक विकल्प और सरलीकृत खरीदारी अनुभव प्रदान करना है। हमें विश्वास है कि यह पहल ग्राहक की कार स्वामित्व यात्रा में एक मूल्यवान कड़ी साबित होगी।

गोकुल कॉलोनी में अवैध निर्माण पर चला एलडीए का डंडा, परिसर को किया गया सील

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी में अवैध और अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ लखनऊ विकास प्राधिकरण का अभियान जारी है। इसी क्रम में आज जोन-6 के अंतर्गत गोकुल कॉलोनी क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह से सील कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विहित प्राधिकारी न्यायालय द्वारा ऑनलाइन कंप्यूटराइज्ड वाद संख्या 6084/2025 में पारित आदेशों के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है। मामला श्री शशांक व अन्य से संबंधित है, जो एम.आर. पैलेस, गोकुल कॉलोनी ऐशबाग रेलवे स्टेशन के सामने, मोती नगर, थाना-नाका में बिना उचित स्वीकृति के निर्माण कार्य करवा रहे थे।

आज दिनांक 19 फरवरी 2026 को प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-6 की टीम ने पुलिस बल के सहयोग से मौके पर पहुंचकर सीलिंग की प्रक्रिया को अंजाम दिया। इससे पहले प्राधिकरण द्वारा 10 दिसंबर 2025 को भी इस निर्माण के विरुद्ध आदेश जारी किए गए थे, जिसके क्रम में आज अंतिम कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

सील किए गए परिसर को अब पुलिस की अभिरक्षा में दे दिया गया है। अधिनियम-1973 की धारा-28(3) के अंतर्गत पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ थाना-नाका को इस पर पैनी निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया है।चेतावनी दी गई है कि यदि सील के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की गई, तो संबंधित पक्षों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्राधिकरण के इस सख्त रुख से अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रवर्तन दल का कहना है कि शहर के अन्य हिस्सों में भी चिन्हित अवैध संपत्तियों पर जल्द ही इसी तरह की कार्रवाई देखने को मिलेगी।

तिलकनगर में भक्तों ने किया श्याम छवि का भव्य स्वागत

लखनऊ। श्री श्याम ज्योत मंडल की ओर से ऐशबाग के तिलकनगर स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क में 20 फरवरी शुक्रवार से शुरू होने वाले तीन दिवसीय 44वां श्री श्याम निशानोत्सव की शुरूआत होगी। इसी क्रम में गुरुवार को बाबा श्याम की छवि दिल्ली से लखनऊ के चारबाग स्टेशन पहुंची। जहां शीश के दानी की छवि के स्वागत व दर्शन के लिए सैकड़ों श्याम भक्त मौजूद थे। मंडल के मीडिया प्रभारी अनुपम मित्तल ने बताया कि चारबाग स्टेशन से श्याम की छवि को ऐशबाग स्थित श्याम ज्योत मंडल के कार्यालय लाया गया। ऐशबाग से श्याम प्रेमी श्रवण अग्रवाल अपने सिर पर बाबा श्याम का शीश रखकर हारे के सहारे की जय हो, कलयुग के अवतारी की जय हो जयकारे के बीच, ढोल नगाड़ों की धुनों पर नाचते गाते, रंग गुलाल उड़ाते और पुष्प वर्षा करते हुए सैकड़ों महिलाएं, पुरुष एवं बच्चों ने मंडल कार्यालय ऐशबाग तिलकनगर लाया गया। जहां बाबा श्याम की छवि को एक दिन का विश्राम कराया जाएगा। 20 फरवरी को मल्ल राजवंश के राजदरबार में बाबा की छवि भक्तों के दर्शन के लिए रखी जाएगी। प्रतिवर्ष सचिन गोयल बाबा की छवि दिल्ली से लखनऊ लाते है। यह छवि बहुत ही सिद्ध होती है। जो भक्त इसके आगे शीश झुकाता है उसकी मुराद पूरी हो जाती है। इस छवि की धार्मिक विशेषता यह है कि इसे प्रत्येक एकादशी को खाटू स्थित पवित्र श्याम कुण्ड में स्नान कराया जाता है और एक रात के लिए खाटू श्याम के मंदिर में बाबा श्याम के संग रखा जाता है। इससे छवि में बाबा की शक्ति का संचार होता है। ऐसी सिद्ध छवि के दर्शन करने से भक्तों को वही सुख का अहसास मिलता है जो उन्हें खाटू धाम में जाकर मिलता है।

लखनऊ में 22 फरवरी को मेगा विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर

महिलाओं, दिव्यांगों और वंचित वर्गों पर रहेगा विशेष फोकस

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार लखनऊ में 22 फरवरी को जनपद न्यायालय कैसरबाग परिसर में वृहद विधिक साक्षरता व सेवा शिविर (मेगा शिविर) का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर न्यायालय लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित जानकारी दी गई। नोडल अधिकारी रवीन्द्र कुमार द्विवेदी (विशेष न्यायाधीश, सीबीआई सेन्ट्रल) एवं प्राधिकरण के सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया शिविर का शुभारंभ 22 फरवरी को सुबह 10 बजे से होगा। शिविर में महिलाओं, निर्बल वर्ग, अनुसूचित जाति व जनजाति, दिव्यांगजन सहित समाज के वंचित तबकों से संबंधित सभी कल्याणकारी योजनाओं के विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

अधिकारियों ने बताया विभागों द्वारा चिन्हित पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ भी शिविर स्थल पर ही दिलाया जाएगा। जिससे आमजन में जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं से जुड़ सकें। मेगा शिविर में निःशुल्क चिकित्सा जांच, आयुष्मान कार्ड पंजीकरण, आधार कार्ड सेवा शिविर सहित कई सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी। प्रेस वार्ता में सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में जनपद न्यायालय लखनऊ में 'वृहद मध्यस्थता अभियान ' भी चल रहा है। इसके अंतर्गत शमनीय आपराधिक मामले, घरेलू हिंसा, सेवा विवाद, संपत्ति बंटवारा, वैवाहिक विवाद, चेक बाउंस, उपभोक्ता मामले, बेदखली, दुर्घटना प्रतिकर दावे, वाणिज्यिक विवाद, ऋण वसूली एवं भूमि अधिग्रहण जैसे मामलों का आपसी सुलह के माध्यम से त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

लोगों को जागरूक करने की अपील

नोडल अधिकारी रवीन्द्र कुमार द्विवेदी एवं सचिव जीवक कुमार सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे 22 फरवरी को आयोजित मेगा विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएं। ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठा सकें। यह शिविर समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बैद्यनाथ आयुर्वेद ने प्रतिदिन के पोषण में कमी को दूर करने के लिए सर्टिफाइड आर्गेनिक मोरिंगा पाउडर के लांच के साथ सुपरफूड पोर्टफोलियो का विस्तार किया

19 फरवरी 2026: भारत में पारंपरिक आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के सबसे बड़े और सबसे पुराने निमार्ताओं में से एक, बैद्यनाथ आयुर्वेद ने आज अपने बढ़ते सुपरफूड्स पोर्टफोलियो में नया उत्पाद 'बैद्यनाथ सर्टिफाइड ऑर्गेनिक मोरिंगा पाउडर' लॉन्च करने की घोषणा की है। दुनिया भर में पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड के रूप में पहचाने जाने वाले मोरिंगा को समग्र प्लांट-आधारित पोषण की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पेश किया गया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को प्राकृतिक रूप से आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सुपरफूड प्रदान करना है, ताकि वे अपनी दैनिक सेहत को सरल और प्राकृतिक तरीके से बेहतर बना सकें।

बैद्यनाथ सर्टिफाइड ऑर्गेनिक मोरिंगा पाउडर को सावधानीपूर्वक चुनी गई मोरिंगा की पत्तियों से तैयार किया गया है। इसमें विटामिन ए और सी जैसे पौधों पर आधारित पोषक तत्व और प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले 'फाइटोन्यूट्रिएंट्स' शामिल हैं, जो संतुलित आहार के रूप में लेने पर वाइटलिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। इसकी प्राकृतिक पोषण क्षमता को बनाए रखने के लिए पत्तियों को साफ किया जाता है, छाया में सुखाया जाता है और फिर बारीक पीसा जाता है। प्रोसेसिंग की यह कोमल विधि पत्तियों के प्राकृतिक विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट को सुरक्षित रखने में मदद करती है। साथ ही, इसका गहरा हरा रंग और ताजी खुशबू इस बात का प्रमाण है कि इसे बहुत कम रसायनों या मशीनी बदलावों के साथ तैयार किया गया है। प्रत्येक बैच की शुद्धता, स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच की जाती है, ताकि उपभोक्ताओं को बिना किसी कृत्रिम मिलावट या फिलर्स के एक शुद्ध 'क्लीन-लेबल' सुपरफूड पाउडर मिल सके।

लॉन्च के दौरान बैद्यनाथ आयुर्वेद के निदेशक अजय शर्मा ने कहा: "ऑर्गेनिक मोरिंगा पाउडर की पेशकश के साथ, हम अपने सुपरफूड्स पोर्टफोलियो को एक पोषक तत्वों से भरपूर और प्लांट-आधारित समाधान के साथ मजबूत कर रहे हैं, जो आज के प्रिवेंटिव वेलनेस रुझानों के अनुरूप है। मोरिंगा अपनी समृद्ध पोषण क्षमता के लिए दुनिया भर में पहचाना जाता है, और इसे एक सुविधाजनक पाउडर के रूप में पेश करने से उपभोक्ताओं को अपनी दैनिक पोषण संबंधी कमियों को आसानी से दूर करने में मदद मिलेगी। यह लॉन्च हमारी उस निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जिसमें हम पारंपरिक विशेषज्ञता को आधुनिक पोषण संबंधी आवश्यकताओं के साथ जोड़ते हैं।"

किसी विशेष बीमारी की दवा के बजाय एक डेली न्यूट्रिशन सप्लीमेंट के रूप में पेश किया गया बैद्यनाथ सर्टिफाइड ऑर्गेनिक मोरिंगा पाउडर, उपभोक्ताओं के एक बड़े वर्ग के लिए उपयुक्त है। इसमें वे महिलाएं शामिल हैं जो आयरन और कैल्शियम से भरपूर आहार की तलाश में हैं, शाकाहारी और वीगन लोग जो प्लांट-आधारित सुपरफूड चाहते हैं, साथ ही फिटनेस के प्रति उत्साही लोग, कामकाजी पेशेवर और संतुलित पोषण बनाए रखने का लक्ष्य रखने वाले वरिष्ठ नागरिक भी इसका लाभ उठा सकते हैं।

इसके हल्के स्वाद और बारीक बनावट के कारण इसे स्मूदी, प्रोटीन शेक, गुनगुने पानी, सूप, दाल, सब्जी, चटनी और यहाँ तक कि रोटी या पराठे के आटे में भी आसानी से मिलाया जा सकता है।

कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में अली गोनी का बर्थडे केंद्र में है

अगर आपको लगता है कि किचन में अफरा-तफरी अपने चरम पर पहुंच गई है, तो फिर से सोचिए। इस वीकेंड कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' में, सबकी नजरें अली गोनी पर हैं क्योंकि उनका बर्थडे ही पूरी तरह से हंगामे की वजह और बहाना बन गया है। और जाहिर है, केक के बिना बर्थडे कैसा? लेकिन यहाँ ट्विस्ट है, यह आपका रेगुलर केक-कटिंग सीन नहीं है। हर कंटेस्टेंट को ऐसा केक बनाना है जो अली की एनर्जी से भरा हो। फ्लेवर? उनके वाइब से मैच करना चाहिए। टॉपिंग? एक हैशटैग जो उन्हें पूरी तरह से दिखाता हो। यह प्यारा है, यह अफरा-तफरी वाला है, और इस किचन को जानते हुए, यह निश्चित रूप से हल्का नहीं होने वाला है।

अली शेफ की हैट पहने, एप्रन बांधे, और अपने सभी सितारों को चमकाते हुए

एक फुल-ऑन हीरो एंट्री करते हैं। और जब सभी को लगता है कि यह सब कुकिंग के बारे में होगा, तो शो सेट पर एक जादूगर के साथ एक सरप्राइज देता है। प्रिंस जादूगर अंदर आते हैं और कंटेस्टेंट्स के लिए परफॉर्म करना शुरू करते हैं, जिससे वे हैरान रह जाते हैं!

इसके बाद फ्लेवर का पूरा शोडाउन होता है, फ्रॉस्टिंग उड़ती है, लेयर्स हिलती हैं, और हर केक 'पीक अली' को कैप्चर करने की कोशिश करता है। कुछ उनकी ऑन-स्क्रीन एनर्जी की तरह लाउड और ड्रामैटिक हैं, तो कुछ थोड़े ज्यादा गर्मजोशी भरे और आरामदायक हैं। और जैसे कि दिन पहले से ही काफी बड़ा नहीं था, सेलिब्रेशन अपने शबाब पर तब होता है जब किचन में शेफ संजीव कपूर आते हैं, जिससे यह पल और भी खास लगता है। टीज़िंग, हंसी और कुछ मीठे सरप्राइज के बीच, यह एपिसोड ठीक वही देता है जिसके लिए फैंस ट्यून इन करते हैं: मजा, खाना और फुल-ऑन एंटरटेनमेंट।

अपने इमोशंस शेयर करते हुए, अली कहते हैं, 'मुझे लगता है कि यह सच में मेरे अब तक के सबसे खास जन्मदिनों में से एक है। पूरी लाफ्टर शेफ्स टीम का अपने केक को मेरी पर्सनैलिटी के हिसाब से थीम करना, बहुत दिल को छू लेने वाला था; हर किसी को फ्लेवर, डिजाइन और केक पर हैशटैग के जरिए यह बताते हुए देखना कि मैं कौन हूँ, बहुत अच्छा लगा।

सीबीएन के अधिकारियों ने 43.820 किग्रा उच्च गुणवत्ता वाली एमडी/मेथाम्फेटामाइन, 260 किग्रा से अधिक रसायन और अत्याधुनिक उपकरण जब्त किए

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में अब तक किसी भी एजेंसी द्वारा चलाए गए सबसे बड़े अभियान के दौरान केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के अधिकारियों ने इंदौर जिले की महू तहसील के थवलय गांव में स्थित एक कारखाने का भंडाफोड़ किया। तीन दिनों तक चले इस अभियान में सीबीएन ने 43.820 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली मेथाम्फेटामाइन (एमडी) , 260 किलोग्राम से अधिक रसायन और अत्याधुनिक उपकरण जब्त किए। पूरे अभियान में कुल 51.992 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन जब्त की गई। बरामद सभी प्रतिबंधित सामग्री और रसायनों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

मध्य प्रदेश स्थित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की नीमच शाखा को मिली एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, अभियान के दौरान केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के अधिकारियों ने इंदौर जिले की महू तहसील के थवलय गांव में स्थित एक कारखाने का भंडाफोड़ किया। तीन दिनों तक चले इस अभियान में सीबीएन ने 43.820 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली मेथाम्फेटामाइन (एमडी) , 260 किलोग्राम से अधिक रसायन और अत्याधुनिक उपकरण जब्त किए। पूरे अभियान में कुल 51.992 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन जब्त की गई। बरामद सभी प्रतिबंधित सामग्री और रसायनों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया।

मध्य प्रदेश स्थित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की नीमच शाखा को मिली एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, सीबीएन ने 13.02.2026 की रात को मंदसौर में एक बस में यात्रा कर रहे दो यात्रियों से 8.172 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली क्रिस्टल एमडी/मेथाम्फेटामाइन बरामद की।

सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई करते हुए, सीबीएन नीमच से एक टीम गठित कर मंदसौर भेजी गई। समय सीमित होने के कारण, मंदसौर के अधिकारियों को टेलीफोन पर सूचित किया गया और उन्होंने तुरंत संदिग्ध बस को रोक लिया। नीमच पहुंचने के बाद, एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के अनुसार तलाशी अभियान शुरू किया गया।

तलाशी के दौरान, एक यात्री के पास एक संदिग्ध डिब्बा मिला और उसने स्वीकार किया कि उसमें मेथम्फेटामाइन (एमडी) था। आगे की पूछताछ में, अलग से बैठे एक साथी की पहचान हुई और उसकी सीट के नीचे से एक और संदिग्ध डिब्बा बरामद हुआ। डिब्बों की जांच करने पर दो डिब्बों में पांच पॉलीथीन पैकेटों में पैक किया हुआ 8.172 किलोग्राम उच्च शुद्धता वाला मेथम्फेटामाइन (एमडी) क्रिस्टल रूप में बरामद हुआ। दोनों आरोपियों ने जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ को अपने पास रखने की बात स्वीकार की। आगे की पूछताछ से पता चला कि आरोपी मेथम्फेटामाइन को सीधे एक गुप्त विनिर्माण प्रयोगशाला से ला रहे थे।

इस खुलासे के मद्देनजर, केंद्रीय जलसेवा मंत्रालय ने तुरंत उज्जैन, जावरा, मंदसौर और नीमच शाखाओं के अधिकारियों की एक विशेष अलग टीम का गठन किया ताकि समन्वित तलाशी अभियान चलाकर संदिग्ध प्रयोगशाला का सटीक पता लगाया जा सके। आगे की जांच से महू के पास स्थित प्रयोगशाला का पता लगाने में मदद मिली।

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता पैकेज संबंधी सुविधा शिविर का उद्घाटन किया

एकीकृत बैंकिंग समाधान विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रयासों की सराहना की; केन्द्र सरकार के कर्मचारियों से इन शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अनुकूलित वेतन खाता पैकेज का लाभ उठाने का आग्रह किया

इस पैकेज में तीन मुख्य खंड बैंकिंग, बीमा और कार्ड शामिल हैं, जो कर्मचारियों के लिए एक ही स्थान पर सभी वित्तीय समाधान प्रदान करता है

(जीएनएस)।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता पैकेज पहल के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा 17 फरवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित वित्तीय सेवा विभाग के जीवन दीप भवन परिसर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। पंजाब नेशनल बैंक ने अन्य सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को सहयोगात्मक तरीके से इस शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस शिविर का उद्घाटन वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री एम. नागराजू और पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीएफएस और अन्य सहभागी बैंकों के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में बोलते हुए सचिव महोदय ने कहा कि यह पहल केंद्र सरकार के कर्मचारियों तक वित्तीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने एकीकृत बैंकिंग समाधान विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के समन्वित प्रयासों की सराहना की

तथा इन शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अनुकूलित वेतन खाता पैकेज का लाभ उठाने का आग्रह किया।

प्रसार रणनीति के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यालयों भवनों में सुविधा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को नोडल बैंक के रूप में नियुक्त किया गया है, ताकि वे संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सकें और अन्य पीएसबी की भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में शिविर आयोजित करना शुरू कर दिया है और शेष मंत्रालयों/विभागों के साथ शिविरों की तिथियों को अंतिम रूप देने के लिए समन्वय कर रहे हैं।

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने 14 जनवरी 2026 को सभी 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के सहयोग से 'केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता पैकेज' का शुभारंभ किया था। इस पहल का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों को बेहतर वित्तीय सुरक्षा, बेहतर सेवा प्रदायगी तथा अधिक बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना है। यह पैकेज तीन प्रमुख घटकों झ बैंकिंग, बीमा और कार्ड- को समाहित करते हुए एक ही स्थान पर कर्मचारियों को सभी वित्तीय समाधान प्रदान करता है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डीएफएस ने सभी पीएसबी को विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में सुविधा शिविर आयोजित करने की सलाह दी थी।

इस पैकेज में तीन मुख्य खंड बैंकिंग, बीमा और कार्ड शामिल हैं, जो कर्मचारियों के लिए एक ही स्थान पर सभी वित्तीय समाधान प्रदान करता है। इस पैकेज की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

उन्नत सुविधाओं सहित शून्य-बैलेंस वेतन खाता

निःशुल्क प्रेषण (जैसे आरटीजीएस/एनईएफटी/यूपीआई) और चेक बुक सुविधा।

लॉकर किराए और ऋण प्रोसेसिंग शुल्क में छूट। आवास, शिक्षा, वाहन और व्यक्तिगत ऋणों पर रियायती ब्याज दर। 150 लाख रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (पीएआई)

200 लाख रुपये तक का हवाई दुर्घटना बीमा (एएआई)

150 लाख रुपये तक का स्थायी पूर्ण एवं आंशिक दिव्यांगता कवर (टीपीडी/पीपीडी)

20 लाख रुपये तक का जीवन बीमा लाभ वैकल्पिक टॉप-अप कवरेज सहित

स्वयं/परिवार के लिए व्यापक चिकित्सा बीमा टॉ-अप कवरेज सहित।

यह पहल डीएफएस और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समन्वित प्रयासों के माध्यम से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वित्तीय सुरक्षा और सेवा प्रदायगी को सुदृढ़ करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

केन्या के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत की प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं एबी पीएम-जेएवाई और एबीडीएम का अध्ययन करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण का दौरा किया

डिजिटल स्वास्थ्य और स्वास्थ्य वित्तपोषण में दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत करना

(जीएनएस)।

केन्या सरकार के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने, जिसका नेतृत्व वहां के किसुमू काउंटी के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. ग्रेगरी गांडा कर रहे थे, आज यहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) का दौरा किया। यह दौरा भारत के डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रमों पर ज्ञान विनिमय के लिए किया गया। प्रतिनिधिमंडल में केन्या के स्वास्थ्य प्रणाली वास्तुकला के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया था, जो केन्या के राष्ट्रीय और काउंटी (राज्य) स्तर दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आगंतुक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत और जानकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बरनवाल तथा एनएचए के वरिष्ठअधिकारियों द्वारा किया गया। इन्होंने भारत के दो प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डाला: आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई), जो दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी स्वास्थ्य आश्वासन कार्यक्रम है तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), जो डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) दृष्टिकोण पर आधारित भारत का राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र है।

पीएम-जेएवाई पर हुई चर्चा में इस प्रणाली में जवाबदेही स्थापित करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग की जांच की गई झ आधार-प्रमाणित लाभार्थी सत्यापन और पूर्व-अनुमति समय से लेकर अस्पतालों के जोखिम प्रोफाइलिंग और दावों तक।

एनएचए का बहु-स्तरीय धोखाधड़ी-रोधी ढांचा, जिसमें मशीन लर्निंग, इमेज एनालिटिक्स और डीप लर्निंग को 33,000 से अधिक पैनल वाले अस्पतालों के नेटवर्क में तैनात किया गया है जिसने विशेष रुचि आकर्षित की। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय रूप से शासित ढांचे के भीतर राज्य-स्तरीय लचीलापन प्रदान करने वाले संघीय कार्यान्वयन मॉडल पर भी चर्चा की।

2018 में लॉन्च होने के बाद से, पीएम-जेएवाई ने भारत की सबसे कमजोर आबादी के लिए ₹1.67 लाख करोड़ (18 बिलियन डॉलर) से अधिक मूल्य के 11.6 करोड़ (116 मिलियन) से अधिक अस्पताल भर्तियों को सक्षम बनाया है।

एबीडीएम पर विचार-विमर्श में भारत के डीपीआई दृष्टिकोण के उपयोग की जांच की गई, जिससे सरकारी कार्यक्रमों, निजी अस्पतालों, प्रयोगशालाओं और फ्रंटलाइन कार्यकताओं के बीच स्वास्थ्य डेटा विनिमय के लिए एक साझा, सहमति-आधारित वास्तुकला का निर्माण हुआ है। दोनों पक्षों ने अंतरसंचालनीय बुनियादी ढांचे का उपयोग दवाओ की लॉजिस्टिक्स और इसके उपयोग के ट्रैकिंग की संभावित पहचान की, जो आपूर्ति श्रृंखला शासन और तर्कसंगत दवा उपयोग के निहितार्थों को देखते हुए एक गहन अन्वेषण की योग्य और एक आशाजनक क्षेत्र है। करीब 86 करोड़ से अधिक एबीएचए स्वास्थ्य आईडी बनाए जाने और 88.2 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड लिंक होने के साथ, एबीडीएम देखभाल सेटिंग्स के पार सुलभ एक संघीय, रोगी-स्वामित्व वाले लंबी अवधि के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आधार प्रदान करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, एनएचए के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बरनवाल ने कहा, "हम अपने केन्याई साझेदारों के साथ अपने अनुभव साझा करने से प्रसन्न हैं और विश्वास करते हैं कि यह दक्षिण-दक्षिण सहयोग नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण में उनके प्रयासों में सार्थक योगदान देगा।"इस दौरे ने दक्षिण-दक्षिण सहयोग की भावना को मजबूत किया, जिसमें दोनों पक्षों ने निजी क्षेत्र के साथ समाधानों के सह-डिजाइन और साझा डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के माध्यम से लागत बाधाओं को कम करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

यह अंतर्क्रिया स्केलेबल, प्रौद्योगिकी-चालित और नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य प्रणालियों के निर्माण की दिशा में एक सहयोगी मार्ग को सूचित करेगी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण भारत सरकार का शीर्ष निकाय है, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। एनएचए वित्तीय संरक्षण, डिजिटल नवाचार और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।